This question paper contains **4** printed pages. Roll No. .....

**UG9101**

**HIN-64T-202**

# B.A. Three/Four Year IV Semester EXAMINATION, May-2025

## (Faculty of Arts)

## हिंदी साहित्य

## (कथेतर गद्य विधाएँ)

**Time Allowed : Three Hours** **Maximum Marks: 120**

**समय : तीन घंटे** **अधिकतम अंक : 120**

12808291

प्रश्नों के उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न-पत्र पर रोल नम्बर अवश्य लिखें। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु निर्धारित अंक उसके सामने अंकित है।

किसी भी परीक्षार्थी को पूरक उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जाएगी। अतः परीक्षार्थियों को चाहिए कि वे मुख्य उत्तर-पुस्तिका में ही समस्त प्रश्नों के उत्तर सही ढंग से लिखें।

**खण्ड-अ** के अंतर्गत प्रश्न संख्या 1 अतिलघुत्तरीय प्रश्न है, जिसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का होगा।

**खण्ड-ब** के अंतर्गत प्रश्न संख्या 2, 3, 4, 5 सप्रसंग व्याख्या का है, जिसमें इकाई 2, इकाई 3 एवं इकाई 4 में निर्धारित पाठ- से कुल 04 काव्यांश (एक कवि से एक) आंतरिक विकल्प सहित व्याख्या हेतु पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।

**खण्ड-स** के अंतर्गत प्रश्न संख्या 6, 7, 8, 9 निबंधात्मक प्रश्न हैं, जिसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित पूछा जाएगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा।

12808291
12808291
12808291
downloaded from StudentSuvidha.com



https://www.uoronline.com
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

## खण्ड-अ

[10×2=20]

1. (क) यात्रावृत्त किसे कहते हैं?

(ख) एकांकी के प्रमुख तत्त्व बताइए।

(ग) सरजू भैया रेखाचित्र के लेखक कौन हैं?

(घ) हिन्दी के दो प्रमुख नाटककारों के नाम लिखिए।

(ड.) 'बहता पानी निर्मला' यात्रावृत्त के लेखक का नाम बताइए।

(च) लक्ष्मीनारायण लाल द्वारा रचित किन्हीं दो नाटकों के नाम बताइए।

(छ) हिन्दी के दो प्रमुख एकांकीकारों के नाम बताइए।

(ज) रिपोर्ताज किसे कहते हैं?

(झ) 'सीमा रेखा' एकांकी के लेखक का नाम लिखिए।

(ञ) किन्हीं चार कथेतर विधाओं के नाम लिखिए।

## खण्ड-ब

2. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:- [10]

आप, मैं और ये सब अलग-अलग नहीं, एक ही समाज है। हमीं देश हैं, राष्ट्र हैं और यह सच है कि हम सब गरीब हैं, मूल्यहीन हैं, अपाहिज़ हैं। पर हममें प्राण हैं, हमारे भीतर कहीं वह अदृश्य स्थान जरूर है जो हमसे रह-रहकर प्रश्न करता है। और हम अपने-आपसे ही अपमानित होकर रह जाते हैं। क्योंकि हम शुभ और सुन्दर को उत्तर नहीं देते क्योंकि उसमें फिलहाल कोई लाभ नहीं दिखता, इसलिए हम उत्तर देते हैं सिर्फ अशुभ को ..... असुन्दर को।

**अथवा**

हाँ, विश्वास है मुझे। पर यह हृदय-परिवर्तन अपने-आपसे हो जाएगा, इसमें मेरा विश्वास नहीं है। इस हृदय-परिवर्तन के लिए पहले समाज के ढाँचे में परिवर्तन होना चाहिए, जो मनुष्य को उसकी मनुष्यता से गिराकर उसे चोर, डाकू और अपराधी होने के लिए विवश करता है। इस दूषित-भ्रष्ट-हृदय की जिम्मेदारी हमारे आज के समाज पर है जो हमें उदार नहीं होने देता, हममें कहे भाव-विचार नहीं आने देता। और जो हमारे जीवन को गरीबी से ऊपर नहीं उठने देता, जो हमारे भीतर प्रकाश नहीं आने देता।

3. इस बीच में स्वर्ग की केवल सुनता ही रहा मैं। मेरी कोशिश सही न होगी, स्वर्ग जीवन में मुझे कहीं नज़र आया नहीं। और नरक की तलाश में किसी भी दिशा में दूर तक नज़र भटकाने की जरूरत ही नहीं पड़ी। सो, समय पर न मिले



12808291
Downloaded from StudentSuvidha.com
https://www.uoronline.com
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

तो स्वर्ग के लिए भी कौन प्रतीक्षा करे। नरक लाख बुरा बदनाम हो, लेकिन अपना तो जीवन-संगी बन चुका है, सहज हो गया है, रास आ गया है। [10]

**अथवा**

आत्माएँ नष्ट नहीं होती, न वे उत्पन्न होती हैं। मैं नष्ट नहीं हो सकती। मुझसे युद्ध करने में तुम्हारी हार होगी। यह मैं जानती हूँ। तुम्हारे ये सारे यन्त्र नष्ट हो जाएँगे, तुम नष्ट हो जाओगे और देखो, तुम अपनी सीमा से बहुत बढ़े जा रहे हो। मृत्यु के रहस्य को कोई नहीं जान सकता, लेकिन तुम अपने परिश्रम से बहुत कुछ जान गए। यह रहस्य संसार के मनुष्यों के लिए नहीं है। ईश्वर ने मृत्यु को जीवन के बाद इसलिए बनाया है कि संसार का जीवन, जीवन रहे।

4. नारी के हृदय में जो गंभीर ममता सजल वीर-भाव उत्पन्न होता है वह पुरुष के उग्र शौर्य से अधिक उदात्त और दिव्य रहता है। पुरुष अपने व्यक्तिगत या समूहगत रागद्वेष के लिए भी वीर धर्म अपना सकता है और अहंकार की तृप्ति-मात्र के लिए भी। पर नारी अपने सृजन की बाधाएं दूर करने के लिए या अपनी कल्याणी सृष्टि की रक्षा के लिए ही रूद्र बनती है। अतः उसकी वीरता के समकक्ष रखने योग्य प्रेरणाएं संसार के कोश में कम हैं। [10]

**अथवा**

तब तो बंगाल अभी जीवित है। आज भी वह अपना रास्ता खोज निकालना जानता और चाहता है। भूख से व्याकुल होकर भी यह भारत का संस्कृति-जनक सिर झुकाने को तैयार नहीं है। आज भी वह इन सब आँधी-तूफानों को झेलकर फिर से विराट् रूप में फूट निकलना चाहता है। सचमुच कोई इनका कुछ नहीं कर सकता। यदि जनता में चेतना है, तो इन्हें भूखों मारने वाले नर-पिशाच नाज-चोरों का अन्त दूर नहीं है।

5. चारो ओर घनघोर असत्य के प्रति कोई विरोध नहीं। कहीं विद्रोह नहीं, जैसे युगों की हमारी गरीबी, फूट और पराजय ने हमारे भीतर के प्रकाश को ही बाँध लिया हो। (रूककर) साल-दो साल बाद देश में कहीं विद्रोह भी होता है तो यह इंसानियत के सबसे निचले और घटिया स्तर पर हिंदू-मुस्लिम दंगा, भाषा का विद्रोह, एक प्रान्त से दूसरे प्रान्त पर घात। सिनेमाघरों में टिकट के लिए इन्कलाब, राष्ट्रीय संस्थाओं में स्ट्राइक! [10]



https://www.uoronline.com
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com
StudentSuvidha.com
downloaded from

**अथवा**

देश के आर्थिक विकास और इस महादेश की बाहरी ताकतों से रक्षा-इन दोनों बड़े कामों के लिए देश की आन्तरिक एकता अत्यंत आवश्यक है। आज हिन्दुस्तान की सरकार जिस राष्ट्र-निर्माण के कार्य में लगी हुई है, उसे हम एक महान् साहसिक कार्य कह सकते हैं।

**खण्ड-स**

**इकाई-I**

6. हिन्दी नाटक साहित्य का उद्भव एवं विकास पर विस्तार से प्रकाश डालिए। [15]

**अथवा**

रेखाचित्र किसे कहते हैं? संस्मरण और रेखाचित्र में समानता और भिन्नता बताइए।

**इकाई-II**

7. 'रक्तकमल' का नायक 'कमल' है- बिल्कुल 'मिथ' जैसा चरित्र। सर्वथा आदर्श, जिसकी ऐसी अवतारणा मैंने जानबूझकर इस नाटक में की है।" लेखक के इस कथन के परिप्रेक्ष्य में कमल का चरित्र-चित्रण कीजिए। [15]

**अथवा**

नाटक के तत्त्वों के आधार पर 'रक्तकमल' नाटक का मूल्यांकन कीजिए।

**इकाई-III**

8. 'उत्सर्ग' एकांकी के नामकरण की सार्थकता स्पष्ट करते हुए इसकी मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए। [15]

**अथवा**

'अपनी खबर' आत्मकथा के आधार पर 'पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र' के जीवन की प्रमुख घटनाओं का चित्रण कीजिए।

**इकाई-IV**

9. 'रांगेय राघव' के रिपोर्ताज 'अदम्य जीवन' के आधार पर बंगाल के अकाल के दुर्दशापूर्ण चित्रण को स्पष्ट कीजिए। [15]

**अथवा**

महादेवी वर्मा द्वारा लिखित संस्मरण के आधार पर सुभद्रा कुमारी चौहान की चारित्रिक विशेषताएं बताइए।



https://www.uoronline.com
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com
downloaded from StudentSuvidha.com